महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग

अध्ययन मंडल की पहली बैठक

दिनांक 24 जून 2016

कार्यवृत्त

प्रबंधन विद्यापीठ के प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग के अध्ययन मंडल की पहली बैठक आज दिनांक 24-06-2016 को हुई जिसमें प्रत्येक मद पर विस्तार से चर्चा हुई तथा निम्नलिखित निर्णय लिए गये:

मद संख्या - 1: प्रबंधन विभाग के अंतर्गत संचालित की जाने वाली अकादमिक गतिविधियों पर विचार विमर्श कर उसकी रूपरेखा तैयार करना।

निर्णय: व्यावसायिक पाठ्यक्रम की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बाह्य विशेषज्ञ ने निम्नलिखित सुझाव दिये:

- स्थानीय औद्योगिक क्षेत्रों में कार्यरत/सेवानिवृत प्रशासनिक एवं प्रबंधकीय अधिकारियों को अध्यापन कार्य में सहभागी बनाना।
- औद्योगिक सम्बद्धता स्थापित करना: भारत के प्रमुख व्यावसायिक संस्थानों, जैसे - CII (Confederation of Indian Industry), AIMS (Association of Indian Management Schools), FICCI(Federation of Indian Chamber of Commerce and Industries) आदि के साथ-साथ प्रमुख स्थानीय संस्थानों की भी सदस्यता प्राप्त करना।

मद संख्या - 2: सत्र: 2015-16 में विभाग द्वारा संचालित किये जाने वाले एमबीए पाठ्यक्रम का अनुमोदन तथा 2016-17 सत्र के लिए एमबीए पाठ्यक्रम की रूपरेखा पर विचार विमर्श एवं अनुमोदन हेतु प्रस्तुत।

24/6/2016

निर्णय: सत्र: 2015-16 में विभाग द्वारा संचालित किये जाने वाले एमबीए पाठ्यक्रम को अनुमोदित किया गया तथा 2016-17 सत्र के लिए एमबीए पाठ्यक्रम की रूपरेखा पर विचार विमर्श के उपरांत कुछ सुझावों एवं संशोधनों के साथ पाठ्यक्रम को अनुमोदित किया गया |

मद संख्या - 3: एमबीए पाठ्यक्रम को हिंदी तथा अंग्रेजी दोनों भाषा में संचालित करने हेतु अनुमोदनार्थ प्रस्तुत |

निर्णय: चूंकि महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषा को प्रोत्साहित करना है, अतः यह निर्णय लिया गया की अध्ययन अध्यापन का मुख्य माध्यम हिंदी ही रहेगा | किन्तु एमबीए के एक व्यावसायिक पाठ्यक्रम होने के कारण छात्रों को अंग्रेजी में परीक्षा देने की अनुमति दी जा सकती है | तथापि यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि छात्र अपनी पूरी उत्तर पुस्तिका या तो अंग्रेजी में लिखेंगे या हिंदी में |

मद संख्या - 4: अध्यक्ष की अनुमति से अन्य मुद्दों पर विचार करना |

माननीय अध्यक्ष महोदय की अनुमति से निम्नलिखित मुद्दों पर विचार किया गया:

- अध्यक्ष को किन्ही दो बैठकों के बीच में विभाग के हित में निर्णय लेने का अधिकार प्रदान करना |

  निर्णय: अनुमोदित |
- एमबीए पाठ्यक्रम के उद्देश्य

  निर्णय: बाह्य विशेषज्ञ द्वारा पाठ्यक्रम के उद्देश्य के संबंध में निम्नलिखित सुझाव दिये गये:

  - ✓ छात्रों में प्रबंधन के सिद्धांत एवं व्यवहार की समझ को विकसित करना |
  - ✓ छात्रों में निगमीय क्षेत्र की सैद्धांतिक आवश्यकताओं एवं उसके व्यावहारिक पक्षों की समझ को विकसित करना |
  - ✓ छात्रों की नेतृत्व क्षमता का विकास करना |
  - ✓ छात्रों को निर्णयन क्षमता से परिचित करना एवं विकास करना |
  - ✓ व्यवसाय प्रसाशन से सम्बंधित प्रबंधकीय तकनीकों का शिक्षण एवं प्रशिक्षण देना |
- पुस्तकालय के संदर्भ में |

निर्णय: पुस्तकालय को समृद्ध बनाने हेतु निम्नलिखित निर्णय लिए गये:

- ✓ प्रबंधन विषय से सम्बंधित हिंदी माध्यम की पुस्तकों को उपयुक्त संख्या उपलब्ध कराना |
- ✓ विभागीय स्तर पर हिंदी माध्यम की पुस्तकों वाले प्रकाशनों की प्रदर्शनी लगाना
- ✓ प्रबंधन क्षेत्र के प्रतिष्ठित जरनलों (Journals) को उपलब्ध कराना तथा उन सदस्यता प्राप्त करना (कम से कम 10 अंतरराष्ट्रीय तथा 20 राष्ट्रीय) |

Anubhav N. Tripathi

श्री अनुभव नाथ त्रिपाठी
सहायक प्रोफेसर

24/06/2016

श्री मनोज कुमार चौधरी
सहायक प्रोफेसर

24/06/2016

डॉ. रवीन्द्र टी. बोरकर
विशेष आमंत्रित सदस्य

T. N. Mishra 24/6/16

प्रो. पी. के. मिश्रा
बाह्य सदस्य

24/6

प्रो. अरबिन्द कुमार झा
अधिष्ठाता, प्रबंधन विद्यापीठ

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग

डॉ. शिरीष पाल सिंह/Dr. Shireesh Pal Singh
विभागाध्यक्ष: प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग
Head: Department of Management and Commerce

मोबाईल नं. : 09888801146

पत्रांक: 076/प्र.वि./01/2017/
दिनांक 19.01.2018

प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग के अध्ययन मंडल (BOS) की दूसरी बैठक

दिनांक: 19 जनवरी 2018

कार्यवृत्त

मद संख्या – 1: अध्ययन मंडल की पहली बैठक में लिए गए निर्णयों का अवलोकन।

निर्णय: पहली बैठक में लिए गए निर्णयों का सदस्यों द्वारा अवलोकन किया गया तथा इसके आधार पर किये गये कार्यों पर सदस्यों द्वारा सहमति प्रदान किया गया।

मद संख्या – 2: सत्र 2018-19 में विभाग द्वारा संचालित की जानेवाली अकादमिक गतिविधियों पर विचार विमर्श कर उसकी रूपरेखा तैयार करना।

निर्णय: सत्र 2018-19 में विभाग द्वारा संचालित की जानेवाली अकादमिक गतिविधियों में सबसे महत्वपूर्ण विद्यार्थियों के प्लेसमेंट पर कार्य करना है। इसके लिए औद्योगिक सम्बद्धता/सहभागिता हेतु चुनी हुई राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों (CII, FICCI, ISTD एवं अन्य) से संस्थागत सदस्यता हेतु प्रयास किया जाय।

मद संख्या – 3: विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम एमबीए के पाठ्य विवरण का पुनरावलोकन।

निर्णय: विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम एमबीए के पाठ्य विवरण का पुनरावलोकन किया गया तथा आगामी सत्र में यथावत रखने का सुझाव दिया गया।

मद संख्या – 4: सत्र 2018-19 से विभाग द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम बी.कॉम. एवं पीजीडीएचआरएम(Post Graduate Diploma in Human Resource Management) के विषयों की सूची एवं पाठ्यविवरण पर विचार विमर्श एवं अनुमोदन।

T. N. Mishra   19/1/18   19/1/18   19/1/18

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग

डॉ. शिरीष पाल सिंह/Dr. Shireesh Pal Singh
मोबाईल नं. : 09888801146
विभागाध्यक्ष: प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग
Head: Department of Management and Commerce

निर्णय: सत्र 2018-19 से विभाग द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम बी.कॉम. एवं पीजीडीएचआरएम(Post Graduate Diploma in Human Resource Management) के विषयों की सूची एवं पाठ्यविवरण पर गहन विचार-विमर्श के उपरांत इसका अनुमोदन किया गया।

मद संख्या – 5: अध्यक्ष की अनुमति से अन्य मुद्दों पर विचार विमर्श।

निर्णय: बैठक अध्यक्ष के प्रति धन्यवाद प्रस्ताव के साथ संपन्न हुआ।

19/1/18
डॉ. विनय चतुर्वेदी
सहायक प्रोफेसर

19/1/18
श्री मनोज कुमार चौधरी
सहायक प्रोफेसर

T. N. Mishra 19/1/18
प्रो. पी. के. मिश्र
बाह्य विशेषज्ञ

19/1/18
डॉ. शिरीष पाल सिंह
विभागाध्यक्ष, प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग

पत्रांक: 076/प्र.वि./अ.म./2018/10/
दिनांक 05.12.2018

प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग के अध्ययन मंडल (BOS) की तीसरी बैठक

दिनांक: 05 दिसंबर 2018

कार्यवृत्त

मद संख्या – 1: अध्ययन मंडल की दूसरी बैठक में लिए गए निर्णयों का अवलोकन।

निर्णय: दूसरी बैठक में लिए गए निर्णयों का सदस्यों द्वारा अवलोकन किया गया तथा इसके आधार पर किये गये कार्यों पर सदस्यों द्वारा सहमति प्रदान की गई।

मद संख्या – 2: सत्र 2019-20 में विभाग द्वारा संचालित की जानेवाली अकादमिक गतिविधियों पर विचार विमर्श कर उसकी रूपरेखा तैयार करना।

निर्णय: सत्र 2019-20 में विभाग द्वारा संचालित की जानेवाली अकादमिक गतिविधियों में सबसे महत्वपूर्ण विद्यार्थियों के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट पर कार्य करना है। इस हेतु निम्नलिखित कार्यों को चिन्हित किया गया:

- अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय (Azim Premji University) से संपर्क कर उनके ग्रामीण परियोजना में छात्रों को ग्रीष्मकालीन परियोजना एवं प्लेसमेंट हेतु कार्य किया जा सकता है।
- आस-पास के औद्योगिक संस्थाओं से संपर्क कर उन्हें अतिथि अध्यापक के रूप में आमंत्रित किया जा सकता है।

मद संख्या – 3: विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम एमबीए, बी.कॉम. एवं पीजीडीएचआरएम के पाठ्य विवरण का पुनरावलोकन।

निर्णय: विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम एमबीए, बी.कॉम. एवं पीजीडीएचआरएम के पाठ्य विवरण का पुनरावलोकन किया गया, उनमें मामूली बदलाव के साथ आगामी आगामी सत्र में यथावत रखने का सुझाव दिया गया। साथ ही CBCS के तहत अथवा ऐच्छिक विषय के रूप में कम से कम एक विषय MOOCS/Swayam, IIT Kanpur अथवा Azim Premji University से विद्यार्थियों को ऑनलाइन पाठ्यक्रम करवाया जाय।

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग

मद संख्या – 4: डॉ. रवीन्द्र तु. बोरकर को प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग में पीएच.डी. पर्यवेक्षक (Ph.D. Guide) के रूप में स्वीकृति प्रदान करने हेतु विचारार्थ प्रस्तुत।

निर्णय: इस संबंध में सदस्यों की राय निम्नलिखित है:

- डॉ. रविन्द्र तु. बोरकर की शैक्षणिक योग्यताओं की सभी सदस्यों ने प्रशंसा की।
- इनके द्वारा प्रस्तुत शोध पत्रों की समीक्षा की गई, समीक्षा में सभी शोध पत्र समीक्षात्मक पत्र (Review Papers) पाये गये। प्रस्तुत शोध पत्रों में शोध प्रविधि (Research Methodology), प्राथमिक डेटा एवं मात्रात्मक कार्य की कमी पाई गई।
- पी.एच.डी. में शोध प्रविधि, मात्रात्मक कार्य एवं प्राथमिक डेटा के महत्व को ध्यान में रखते हुए संबंधित द्वारा प्रबंधन विषय से संबंधित मात्रात्मक एवं प्राथमिक डेटा पर किये गये कार्यों को प्रस्तुत करने पर अध्ययन मंडल के समक्ष विचारार्थ प्रस्तुत किया जा सकता है।

मद संख्या – 5: अध्यक्ष की अनुमति से अन्य मुद्दों पर विचार विमर्श।

निर्णय: बैठक बाह्य सदस्यों के प्रति धन्यवाद प्रस्ताव के साथ संपन्न हुआ।

05/12/18
डॉ. विनय चतुर्वेदी
विशेष आमंत्रित सदस्य

05/12/18
श्री मनोज कुमार चौधरी
विशेष आमंत्रित सदस्य

05/12/18
प्रो. नम्रता शर्मा
बाह्य विशेषज्ञ

Rekha Singhal 5.12.18
प्रो. रेखा सिंघल
बाह्य विशेषज्ञ

5/12/18
डॉ. शिरीष पाल सिंह
विभागाध्यक्ष, प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग

(10)

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग

पत्रांक: 076/प्र.वि./अ.म./2018/10/

दिनांक 22.08.2019

प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग के अध्ययन मंडल (BOS) की चतुर्थ बैठक

दिनांक: 22 अगस्त 2019

कार्यवृत्त

मद संख्या – 1: अध्ययन मंडल की तीसरी बैठक में लिए गए निर्णयों का अवलोकन।

निर्णय: तीसरी बैठक में लिए गए निर्णयों का सदस्यों द्वारा अवलोकन किया गया तथा सीमित संसाधनों के साथ इसके आधार पर किये गये कार्यों पर सदस्यों द्वारा सहमति प्रदान की गई।

मद संख्या – 2: सत्र 2019-20 में विभाग द्वारा संचालित की जानेवाली अकादमिक गतिविधियों पर विचार विमर्श कर उसकी रूपरेखा तैयार करना।

निर्णय: सत्र 2019-20 में विभाग द्वारा संचालित की जानेवाली अकादमिक गतिविधियों में सबसे महत्वपूर्ण विद्यार्थियों में उद्यमशीलता का विकास तथा उनके प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट को माना गया। इस हेतु निम्नलिखित कार्यों को चिन्हित किया गया:

- युवा उद्यमियों को आमंत्रित कर विद्यार्थियों के लिए कार्यशाला का आयोजन करना।
- विद्यार्थियों के प्रायोगिक कार्य जैसे समूह चर्चा, साक्षात्कार कौशल, रीजनिंग कौशल इत्यादि की कक्षाएं लेना।
- आस-पास के औद्योगिक संस्थाओं से संपर्क कर उनके प्रबंधकों को विशेष व्याख्यान (Special Lecture) हेतु आमंत्रित करना।
- विभाग से पूर्व में उत्तीर्ण विद्यार्थियों में से विभिन्न क्षेत्र में कार्यरत विद्यार्थियों तथा उद्यमियों को वर्तमान विद्यार्थियों से संवाद हेतु आमंत्रित करना।
- विभागीय स्तर पर एक अकादमिक वर्ष में एक बार भूतपूर्व विद्यार्थी सम्मेलन (Alumni Meet) का आयोजन करना।
- विभिन्न संस्थाओं से संपर्क कर उनके द्वारा प्राप्त वित्तीय सहायता से विभाग में कार्यशाला एवं सेमिनार का आयोजन करना।

मद संख्या – 3: विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम एमबीए एवं बी.कॉम. के पाठ्य विवरण का पुनरावलोकन एवं अनुमोदन।

निर्णय: विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम एमबीए एवं बी.कॉम. के पाठ्य विवरण का पुनरावलोकन किया गया, उनमें मामूली बदलाव के साथ आगामी सत्र में यथावत रखने का सुझाव दिया गया। एमबीए पाठ्यक्रम हेतु निम्नलिखित सुझाव दिए गए:

Anubhav W. Jaipatti 22/08/19

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग

- उद्यमिता विकास (Entrepreneurship Development) को विषय के रूप में एमबीए एवं बी.कॉम. के सभी विद्यार्थियों को अनिवार्य रूप से पढाया जाय।
- मानव मूल्य एवं नैतिकता (Human Values and Ethics) को विषय के रूप में एमबीए के सभी विद्यार्थियों को अनिवार्य रूप से पढाया जाय।
- व्यवसाय में संगणक का अनुप्रयोग (Application of Computer in Business) को विषय के रूप में एमबीए के सभी विद्यार्थियों को अनिवार्य रूप से पढाया जाय।
- केस अध्ययन (Case Study) विधि से पठन-पाठन पर जोर दिया जाय।
- जीएसटी (GST) को विषय के रूप में एमबीए (वित्त) के सभी विद्यार्थियों को पढाया जाय तथा उन्हें छोटे उद्यमियों को उनके जीएसटी से संबंधित कार्यों में मदद करने के लिए प्रेरित किया जाय।

मद संख्या – 4: परियोजना रिपोर्ट में भाषा के माध्यम एवं उसकी व्यावहारिकता के मुद्दे पर चर्चा।

निर्णय: परियोजना रिपोर्ट में भाषा के माध्यम एवं उसकी व्यावहारिकता के मुद्दे पर विस्तृत चर्चा की गई तथा सभी सदस्यों द्वारा यह फैसला लिया गया कि परियोजना रिपोर्ट में भाषा का माध्यम हिंदी ही होगा।

मद संख्या – 5: बी.कॉम. पाठ्यक्रम के द्वितीय सेमेस्टर के शेष बचे 4 क्रेडिट (भाषा) के संबंध में चर्चा।

निर्णय: इस मुद्दे पर चर्चा की गई तथा बाह्य विशेषज्ञ द्वारा इसके स्थान पर 4 क्रेडिट का कोई CBCS पेपर विद्यार्थियों को पढ़ाने का सुझाव दिया गया जिस पर सभी सदस्यों ने अपनी सहमती व्यक्त की ।

मद संख्या – 6: एमबीए के तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के ग्रीष्मकालीन परियोजना रिपोर्ट हेतु अध्यापकों के आवंटन के संबंध में।

निर्णय: सभी सदस्यों की सहमती से यह आवंटन किया गया।

मद संख्या – 7: अध्यक्ष की अनुमति से अन्य मुद्दों पर विचार विमर्श।

निर्णय: बैठक बाह्य सदस्यों एवं अध्यक्ष के प्रति धन्यवाद प्रस्ताव के साथ संपन्न हुआ।

डॉ. अनुभव नाथ त्रिपाठी	श्री मनोज कुमार चौधरी	डॉ. विनय चतुर्वेदी	सुश्री अरुपी वर्मा
विशेष आमंत्रित सदस्य	विशेष आमंत्रित सदस्य	विशेष आमंत्रित सदस्य	विशेष आमंत्रित सदस्य

श्री निरंजन मोरणकर	प्रो. नम्रता शर्मा	डॉ. शिरीष पाल सिंह
पूर्व विद्यार्थी	बाह्य विशेषज्ञ	विभागाध्यक्ष, प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग

प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग

पत्रांक: 076/प्र.वि./अ.म./2018/10/

दिनांक 17.04.2020

प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग के अध्ययन मंडल (BOS) की पांचवीं बैठक

दिनांक: 17 अप्रैल 2020

कार्यवृत्त

मद संख्या – 1: अध्ययन मंडल की चौथी बैठक में लिए गए निर्णयों का अवलोकन।

निर्णय: चौथी बैठक में लिए गए निर्णयों का सदस्यों द्वारा अवलोकन किया गया तथा इसके आधार पर किये गये कार्यों पर सदस्यों द्वारा सहमति प्रदान की गई।

मद संख्या – 2: सत्र 2020-21 में विभाग द्वारा संचालित की जानेवाली अकादमिक गतिविधियों पर विचार विमर्श कर उसकी रूपरेखा तैयार करना।

निर्णय: सत्र 2020-21 में विभाग द्वारा पूर्व में संचालित की जा रही अकादमिक गतिविधियों को आगे भी जारी रखने पर सहमती व्यक्त की गयी। साथ ही बाह्य विशेषज्ञ द्वारा एक Incubation Centre स्थापित करने का सुझाव दिया गया जिस पर सभी सदस्यों ने सहमती व्यक्त की।

मद संख्या – 3: विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम एमबीए के पाठ्य विवरण का पुनरावलोकन।

निर्णय: विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम एमबीए के पाठ्य विवरण का पुनरावलोकन किया गया, उसमें किये गए बदलावों (***संलग्नक: क्रेडिट सम्बन्धी बदलाव पृष्ठ संख्या – 4 एवं पाठ्यविवरण की रूपरेखा पृष्ठ संख्या – 6 से 8***) को निम्नलिखित सुझावों के स्वीकृति प्रदान की गयी:

- अन्य विभाग हेतु एच्छिक पाठ्यचर्या के विषयों में उद्यमिता विकास को द्वितीय सेमेस्टर में तथा मानव संसाधन प्रबंधन को प्रथम सेमेस्टर में किया जाय।
- तृतीय सेमेस्टर में मानव संसाधन विशेषज्ञता के अंतर्गत श्रम कानून के स्थान पर भर्ती एवं चयन (Recruitment and Selection) विषय को रखा जाय।
- चतुर्थ सेमेस्टर में मानव संसाधन विशेषज्ञता के अंतर्गत मानव संसाधन नियोजन के स्थान पर मानव संसाधन वैश्लेषिकी (HR Analytics) विषय को रखा जाय साथ ही मानव संसाधन विकास के स्थान पर मुआवजा प्रबंधन को रखा जा सकता है।

19/4/2020

मद संख्या – 4: डॉ. रवीन्द्र तु. बोरकर को प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग में पीएच.डी. पर्यवेक्षक (Ph.D. Guide) के रूप में स्वीकृति प्रदान करने हेतु विचारार्थ प्रस्तुत।

निर्णय: इस संबंध में सदस्यों की राय निम्नलिखित है:

- डॉ. रविन्द्र तु. बोरकर को प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग में पीएच.डी. पर्यवेक्षक (Ph.D. Guide) के रूप में स्वीकृति प्रदान की गयी।

मद संख्या – 5: अध्यक्ष की अनुमति से अन्य मुद्दों पर विचार विमर्श।

निर्णय: बैठक बाह्य सदस्यों के प्रति धन्यवाद प्रस्ताव के साथ संपन्न हुआ।

डॉ. विनय चतुर्वेदी विशेष आमंत्रित सदस्य	सुश्री आरुषी वर्मा विशेष आमंत्रित सदस्य	श्री मनोज कुमार चौधरी विशेष आमंत्रित सदस्य
श्री निरंजन मोरनकर छात्र प्रतिनिधि	प्रो. नम्रता शर्मा बाह्य विशेषज्ञ	प्रो. रेखा सिंघल बाह्य विशेषज्ञ

डॉ. शिरीष पाल सिंह
विभागाध्यक्ष, प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग

वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग

पत्रांक: 076/प्र.वि./01/2020/
दिनांक: 27.10.2020

वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग के अध्ययन मंडल (BOS) की छठवी बैठक
दिनांक: 27 अक्टूबर 2020
कार्यवृत्त

मद संख्या 1: अध्ययन मंडल की पॉचवी बैठक में लिए गए निर्णयों का अवलोकन एवं आवश्यकता अनुसार संशोधन

i) पॉचवी बैठक के मद संख्या – 3 बिन्दु 2 में लिए गए निर्णय पर पुर्न- विचार हेतु प्रस्तुत है कि तृतीय सेमेस्टर में मानव संसाधन विशेषज्ञता के अंतर्गत श्रम कानून विषय यथावत रखने के संबंध में।

निर्णय:- प्रस्ताव स्वीकृत। तृतीय सेमेस्टर में श्रम कानून विषय को यथावत रखा जाए।

ii) चतुर्थ सेमेस्टर में मानव संसाधन विशेषज्ञता के अंतर्गत मानव संसाधन नियोजन के स्थान पर मानव संसाधन वैश्लेषिकी (HR Analytic), यह विषय सत्र 2021-22 से प्रारंभ करने के संबंध में।

निर्णय:- प्रस्ताव स्वीकृत। इस संबंध में बाह्य विशेषज्ञ प्रो. रेखा सिंघल जी ने सुझाव दिया कि मानव संसाधन वैश्लेषिकी (HR Analytics) जो सत्र 2021-22 से प्रारंभ होना है, इस विषय का अध्यापन कराने हेतु किसी एक संकाय संदस्य को प्रशिक्षण देकर विकसित किया जाए या अतिथि अध्यापक के माध्यम से (Online) इस विषय का अध्यापन कराया जा सकता है।

iii) चतुर्थ सेमेस्टर में मानव संसाधन विशेषज्ञता के अंतर्गत मानव संसाधन विकास इस विषय को यथावत रखा जाने के संबंध में।

निर्णय:- प्रस्ताव स्वीकृत। इस संबंध में बाह्य विशेषज्ञ प्रो. रेखा सिंघल जी ने सुझाव दिया कि मानव संसाधन विकास पाठ्यचर्या में दर्शायी गई संदर्भ पुस्तकों को संशोधित किया जाना है। मानव संसाधन विकास विषय में पाठ्य विवरण ज्यादातर कौशल एवं व्यवहारिक (Practical) पर आधारित होना अपेक्षित है।

मद संख्या 2: वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग द्वारा सत्र 2018-19 से B.Com पाठ्यक्रम संचालित किया जा रहा था परंतु कुछ अंजान कारणों से सत्र 2019-20 में इस पाठ्यक्रम को संचालित नहीं किया गया। विश्वविद्यालय में छात्रों की प्रवेशित संख्या बढ़ाना एवं विश्वविद्यालय के उपलब्ध सभी संसाधनों का उचित एवं सर्वोत्तम(optimum) उपयोग किया जाना अपेक्षित है। इस हेतु विभाग द्वारा सत्र 2021-22 से पूर्व की भांति हिंदी माध्यम से B.Com पाठ्यक्रम संचालित किया जाना प्रस्तावित है। चर्चा हेतु प्रस्तुत।

निर्णय:- प्रस्ताव स्वीकृत। सत्र 2020-21 से पूर्व की भांति हिंदी माध्यम से B.Com पाठ्यक्रम संचालित किया जाए।

मद संख्या 3 : उक्त निर्णय के आलोक में आवश्यकता के अनुसार प्रस्तावित B.Com पाठ्यक्रम की पाठ्यचर्या स्वीकृति हेतु प्रस्तुत।

निर्णय:- प्रस्ताव स्वीकृत।

मद संख्या 4 : वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित MBA पाठ्यक्रम की अधिगम संरचना पर चर्चा एवं स्वीकृति हेतु प्रस्तुत।

निर्णय:- प्रस्ताव स्वीकृत।

मद संख्या 5 : अध्यक्ष की अनुमति से विषय।

निर्णय:- प्रस्ताव स्वीकृत।

- **छात्रों को ऑन-लाईन उपलब्ध विषयों का अध्ययन करने का सुझाव बाह्य विशेषज्ञों द्वारा दिया गया जैसे कि स्वयं पोर्टल आई.आई.टी. दिल्ली, खड़गपुर, कानपुर आदि संस्थान में उपलब्ध ऑनलाइन विषयों का अध्ययन छात्रों द्वारा किया जा सकता है।**
- **बाह्य विशेषज्ञों द्वारा सुझाव प्राप्त हुआ कि, प्रबंधन के क्षेत्र में जिस विषयों के लिए व्यावसायिक जगत में अद्यतन एवं ज्यादा मांग है, ऐसे विषयों के लिए अतिथि अध्यापक (ब्राह्य विशेषज्ञ) के माध्यम से कार्यशाला, आयोजित कर ऐसा विषयों का अध्यापन विभाग में किया जा सकता है। सत्र 2019-20 में इस प्रकार के कार्यशाला के आयोजन के संबंध में बाह्य सदस्यों को अवगत कराया गया, साथ यह भी आश्वस्त किया गया कि, इस तरह के कार्यशाला, का आयोजन भविष्य में भी किया जायेगा।**
- **छात्र प्रतिनिधि श्री निरंजन सुरेशराव मोरनकर जी ने सुझाव दिया कि व्यावसायिक जगत में व्यावहारिक (Practical) विषयों की ज्यादा मांग है, इसलिए ज्यादा से ज्यादा व्यावहारिक /कौशल आधारित विषयों का चयन कर पाठ्यक्रम संचालित किये जा सकते है।**

27/10/2020
डॉ. विनय चतुर्वेदी
(सहायक प्रोफेसर, प्रबंधन विद्यापीठ)

Arushi Verma 27/10/2020
सुश्री आरूषी वर्मा
(सहायक प्रोफेसर, प्रबंधन विद्यापीठ)

प्रो. नम्रता शर्मा
(बाह्य विशेषज्ञ)

(प्रो.) रेखा सिंघल
(बाह्य विशेषज्ञ)

श्री निरंजन सुरेशराव मोरनकर
(भूतपूर्व विद्यार्थी)

27/10/2020
डॉ. रविन्द्र बोरकर
(विभागाध्यक्ष, वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग)

48

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय,

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya,

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

ज्ञान शान्ति मैत्री

वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग

वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग के अध्ययन मंडल (BOS) की सातवीं बैठक

दिनांक : 03 जून 2021

कार्यवृत्त

मद संख्या 1 : अध्ययन मंडल की छठवीं (6वीं) बैठक में लिए गए निर्णयों की संपुष्टि।

निर्णय : अध्ययन मंडल की छठवीं बैठक में लिए गए सभी निर्णयों का सदस्यों द्वारा अवलोकन करने के पश्चात कोई भी टिप्पणी प्राप्त नही हुई इसलिए छठवीं बैठक के निर्णयों की संपुष्टि की जाती है।

मद संख्या 2 : ATCTE New Delhi के (Swayam) स्वयम पोर्टल पर उपलब्ध कोरसस एमबीए छात्रों द्वारा उर्तीण किए जाने पर ऐसे एमबीए छात्रों को उस कोर्सेस का क्रेडिट आंवटित करने के संबंध में चर्चा।

निर्णय : उक्त प्रस्ताव पर अध्ययन मंडल में चर्चा की गई और निर्णय लिया गया की सत्र 2021-22 से प्रवेशित एमबीए के हर छात्रों को NPTEL या SWAYAM के प्लेटफार्म पर उपलब्ध कोर्सेस में से छात्र अपने पसंद से कोई भी 04 क्रेडिट का एक कोर्स या /OR 02-02 क्रेडिट के दो कोर्स,दो साल के भीतर उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। उसके बाद ही एमबीए की उपाधि विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाएगी। इस संबंध में विश्वविद्यालय के प्राधिकारीं विश्वविद्यालय की नीति के अनुसार यह निर्णय संशोधित कर सकते है।

मद संख्या 3 : पी-एच. डी. (प्रबंधन) पाठ्यक्रम की प्रवेश अर्हता निश्चित करना।

निर्णय : वाणिज्य और प्रबंधन विभाग द्वारा संचालित प्रबंधन में पीएचडी कार्यक्रम हेतु एमबीए/ एम एम एस/ दो वर्षीय पीजीडीबीएम,/पीजीडीएम/एआईसीईटी(AICTE) द्वारा अनुमोदित संस्थान या CA/ICWA/CS/उत्तीर्ण उम्मीदवार आवेदन करने के लिए पात्र हैं।

उम्मीदवार को कम से कम 55% अंकों/ (बी प्लस का सीजीपीए(CGPA) [एस.सी. एसटी और ओबीसी (नॉन-क्रीमी लेयर) / डिफरेंटली-एबल्ड के मामले में 50% अंक] के साथ यूजीसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से / राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों से एआईसीईटी(AICTE) द्वारा अनुमोदित संस्थान से में उक्त मास्टर डिग्री या भारत सरकार मान्यता प्राप्त संस्थान से CA/ICWA/CS उत्तीर्ण होना आवश्यक हैं तथा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है।

जिन उम्मीदवारों ने डीएई या यूजीसी-नेट या जेस्ट या CA/ICWA/CS उत्तीर्ण किया है ऐसे उम्मीदवारों को प्रवेश परीक्षा में बैठने से छूट दी जायेगीं।

Candidates holding an MBA/MMS/ CA/ICWA/CS/Two year PGDBM/PGDM degree are eligible for applying to the Ph.D. programme in the Management conducted by Department of Commerce & Management.

A candidate should have passed Master's Degree in the management discipline (MBA/M,M.S/ Two year PGDBM/PGDM) from a University recognized by UGC/ Institutions of National Importance/ Institute approved by AICET/OR CA/ICWA/CS/From Institutions approved by Govt of India, with at least 55% marks OR CGPA of B Plus (50%marks in the case of SC, ST and OBC(Non-creamy layer)/Differently-Abled,) and has to appeared in Entrance examination conducted by the **University**

Candidates who have cleared JEST of DAE or UGC-NET or CA/ICWA/CS/,shall be exempted from appearing in the Entrance Examination.for Ph.D. (management)

मद संख्या 4 : बी. कॉम पाठ्यक्रम की प्रवेश अर्हता निश्चित करना।
निर्णय : वाणिज्य और प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित **बी कॉम स्नातक** कार्यक्रम में **प्रवेश** हेतु किसी भी विषय (ज्ञानानुशासन) के साथ 10+2, राज्य सरकार या केंद्र सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षा मंडल से उत्तीर्ण उम्मीदवार प्रवेश हेतु पात्र है। 10+2 में प्राप्त अंको के आधार पर मेरिट सूची के अनुसार पहले 30 छात्रों को प्रवेश दिया जाएगा। केंद्र सरकार के आरक्षण की नीति का अनुपालन किया जाएगा। गैर वाणिज्य विषय के साथ प्रवेशित छात्रों को 3 माह का ब्रिज कोर्स करना अनिवार्य है।

मद संख्या 5 :एमबीए के चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों के अनुसंधान-परीयोजना कार्य हेतु अध्यापकों के आंवटन के संबंध में।
निर्णय : एमबीए के चतुर्थ सेमेस्टर(2019-21) में अध्ययन कर रहें छात्रों को अनुसंधान परियोजना मार्गदर्शन हेतु निम्नांकित के अनुसार अध्यापक आवंटित किये जाए।

अध्यापक का नाम: डॉ. रविन्द्र टी. बोरकर, विभागाध्यक्ष, प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग	**अध्यापक का नाम:** सुश्री आरूषी वर्मा, सहायक प्रोफेसर, प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग	**अध्यापक का नाम:** डॉ. विनय चतुर्वेदी, सहायक प्रोफेसर, प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग
आवंटित छात्र	**आवंटित छात्र**	**आवंटित छात्र**
1. सुश्री अश्विनी पुरस्कर 2. श्री धीरज रामजी बुलकुंडे 3. श्री शुभम रामू छात्रे 4. श्री नागार्जून शंभरकर 5. श्री पंकज गजानन दिवसे 6. श्री वैभव छत्रपती लाडे	1. सुश्री ममता काले 2. सुश्री ममता वकील 3. श्री रवि द्विवेदी 4. श्री सचिन कुमार, 5. श्री संजीव कुमार पंडीत 6. सुश्री संस्कृति पाण्डेय, 7. श्री गौरव कोठे	1. श्री मिथिलेश यादव 2. श्री आदित्य रोटकर 3. सुश्री कोमल ठाकरे 4. श्री दिपक नवघरे 5. सुश्री नंदिनी गुप्ता 6. श्री नितीन भंडारे 7. सुश्री भावना काकडे

मद संख्या 6: अध्यक्ष की अनुमति से सदस्यों द्वारा प्राप्त प्रस्ताव।

अ) एमबीए के सत्रांत परीक्षा के प्रश्नपत्र हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषा में होना अपेक्षित है। यह प्रस्ताव छात्र प्रतिनिधि द्वारा प्रस्तुत किया गया।

निर्णय : इस पर सभी सदस्यों द्वारा प्रस्ताव के संदर्भ में अपनी सहमति दी परंतु बाह्य विशेषज्ञों द्वारा सुझाव के अनुसार इस संबंध में विश्वविद्यालय के नीति के आलोक में निर्णय लेने हेतु विश्वविद्यालय के प्राधिकारियों को अधिकृत किया गया।

अध्यक्ष के धन्यवाद के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

डॉ. विनय चतुर्वेदी
अतिथि सहायक प्रोफेसर, वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग

सुश्री आरूषी वर्मा
अतिथि सहायक प्रोफेसर,वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग

डॉ. दीपक वाय चाचरकर
अतिथि, बाह्य विशेषज्ञ

डॉ. अनंत देशमुख
अतिथि, बाह्य विशेषज्ञ

श्री आनंद गौतम रामटेके
भूतपूर्व विद्यार्थी

03/06/2021
डॉ. रविन्द्र बोरकर
अध्यक्ष, अध्ययन मंडल
विभागाध्यक्ष, वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग

टिप :- अन्य सदस्यों ने e-mail द्वारा अपनी स्वीकृति दी हैं। संलग्न है।

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय,
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya,
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
ज्ञान शान्ति मैत्री

वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग के अध्ययन मंडल (BOS) की आठवीं बैठक

दिनांक : 17/11/2021

कार्यवृत्त

मद सं. 01 : वाणिज्य एवं प्रबंध विभाग के अध्ययन मंडल की सातवीं बैठक में लिए गए निर्णय का अवलोकन एवं सम्पुष्टि।

निर्णय : अध्ययन मंडल की सातवीं बैठक में लिए गए सभी निर्णयों का सदस्यों द्ववारा अवलोकन करने के पश्चात कोई भी टिप्पणी प्राप्त नही हुई इसलिए सातवीं बैठक के निर्णयों की सम्पुष्टि की जाती है।

मद सं. 02 - सत्र 2021-22 में विभाग द्वारा संचालित किए जाने वाले अकादमिक गतिविधियों पर विचार विमर्श कर रूपरेखा तैयार करना।

निर्णय: अध्ययन मंडल में अकादमिक गतिविधियों पर सभी सदस्यों द्वारा विचार विमर्श हुआ और यह निर्णय लिया गया कि सत्र 2021-22 में (1) उद्यमिता विकास तथा (2) व्यवसायिक व्यक्तिमत्व विकास (Professional Personality Development) इस विषयों पर कोविड 19 की परिस्थितियों को संज्ञान में लेते हुए एक दिवसीय कार्यशाला/संगोष्ठी का आयोजन किया जाए।

मद सं. 03 : CA/CS/ICWA उर्तीर्ण उम्मेद्वार (Candidate) स्नातकोत्तर समकक्ष के संबंध में UGC की जनसूचना।

UGC (Public Notification) जनसूचना दिनांक 15/04/2021 के अनुसार CA/CS/ ICWA उर्तीर्ण उम्मीद्वारों को स्नातकोत्तर समकक्ष समझा जाये ऐसे निर्देश प्राप्त है।

इस जनसूचना के आलोक में CA/CS/ ICWA उत्तीर्ण, यह अर्हता पीएच.डी. (प्रबंधन) पाठ्यक्रम के प्रवेश हेतु (Vaild) वैद्य मानने पर विचारचार्थ प्रस्तुत।

निर्णय: उक्त प्रस्ताव पर अध्ययन मंडल की बैठक में चर्चा हुई। UGC की जनसूचना दिनांक 15/04/2021 के आलोक में CA/CS/ICWA स्नातकोत्तर समकक्ष उत्तीर्ण समझा जाए तथा यह अर्हता पीएच.डी (प्रबंधन) के पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु (Vaild) वैद्य माना जाय यह निर्णय हुआ।

17/11/2021

मद सं. 04 : सत्र 2021-22 से संचालित बी.कॉम (B.COM) पाठ्यक्रम के प्रथम वर्ष का पाठ्यविवरण का पुन: अवलोकन।

निर्णय: बी.कॉम सत्र 2021-22 में बी.कॉम पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु छात्रों की अल्प प्रतिक्रिया को देखते हुए इस सत्र में पाठ्यक्रम संचालित करने की संभावनाएं तलाशी जाये।

बी.कॉम पाठ्यक्रम का विवरण पुन: अवलोकन करने हेतु सभी सदस्यों को उसकी संरचना प्रस्तुत कर आगामी अध्ययन मंडल की बैठक में सदस्यों के सुझाव चर्चा एवं स्वीकृति हेतु अध्ययन मंडल में प्रस्तुत किए जायेगे।

मद सं. 05: एम.बी.ए. तृतीय सेमेस्टर (सत्र-2020-22) के विद्यार्थियों को ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण रिपोर्ट हेतु मार्गदर्शकों का आबंटन।

निर्णय:

अध्यापक का नाम: डॉ. रविन्द्र टी. बोरकर, विभागाध्यक्ष, प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग	**अध्यापक का नाम:** सुश्री आरूषी वर्मा, सहायक प्रोफेसर, प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग	**अध्यापक का नाम:** श्री योगेश कुमार सिंह, सहायक प्रोफेसर, प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग
आवंटित छात्र	**आवंटित छात्र**	**आवंटित छात्र**
1. श्री बेलोरकर निलेश मुधुकरराव 2. सुश्री शिवानी हुमने 3. श्री निलेश भीमरावजी मलगाम 4. श्री प्रणव चिजकार 5. श्री गौरव हाडके 6. श्री सागर मानवटकर 7. सुरज बालपांडे	1. सुश्री प्रिती कुलभुजे 2. सुश्री सुस्नेहा जगताप 3. श्री राहुल ठाकरे 4. सुश्री रोशनी उदासी 5. श्री रामटेके धनाजी सिद्धार्थ 6. श्री राकेश कुमार यादव	1. श्री राहुल जुमदे 2. श्री संचित येलोरे 3. श्री सुरज कुलखेडे 4. श्री रविन्द्र कुमार निगम 5. श्री शुभम टाके 6. सुश्री पुजा रवि

मद :सं. 06 संख्या: उक्त चर्चा में सभी बिंदुओं पर चर्चा होने के कारण तत्काल सुझाव प्रस्तावित नहीं। अध्यक्ष के धन्यवाद के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

डॉ. योगेश कुमार सिंह
अतिथि सहायक प्रोफेसर
वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग
(आमंत्रित सदस्य)

सुश्री आरूषी वर्मा
अतिथि सहायक प्रोफेसर
वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग
(आमंत्रित सदस्य)

श्री आनंद गौतम रामटेके
(सदस्य, भूतपूर्व विद्यार्थी)

डॉ. दीपक वाय चाचरकर
सदस्य, बाह्य विशेषज्ञ

डॉ. अनंत देशमुख
सदस्य, बाह्य विशेषज्ञ

Borkar 17/11/2021
डॉ. रविन्द्र बोरकर
अध्यक्ष, अध्ययन मंडल
विभागाध्यक्ष, वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग

टिप :- भुतपुर्व विद्यार्थी-सदस्य अनुपस्थित, अन्य सभी सदस्यों ने email द्वारा अपनी सहमति दि हैं जो इस कार्यवृत्त के साथ [illegible]

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय,
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya,
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
ज्ञान शान्ति मैत्री (A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दिनांक : 13/04/2022

वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग के अध्ययन मंडल (BOS) की नौवीं बैठक

कार्यवृत्त

प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग के अध्ययन मंडल की नौवीं बैठक अध्यक्ष, प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग की अध्यक्षता में दिनांक 13 अप्रैल 2022 को पूर्वाह्न 11:30 बजे आयोजित की गई। बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए-

क्र.सं.	नाम	
1	**डॉ. रविन्द्र टी बोरकर**, अध्यक्ष, प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग	अध्यक्ष
2	**डॉ. अनंत देशमुख**, विभाग प्रमुख, व्यवसाय प्रबंधन विभाग, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर	बाह्य विषय विशेषज्ञ
3	**डॉ. दीपक वाय चाचरकर**, विभाग प्रमुख, व्यवसाय प्रशासन एवं वाणिज्य विभाग, संत गाडगे बाबा अमरावती विश्वविद्यालय, अमरावती	बाह्य विषय विशेषज्ञ
4	**श्री आनंद गौतम रामटेके**	सदस्य, भूतपूर्व विद्यार्थी
5	**सुश्री आरूषी वर्मा**, अतिथि सहायक प्रोफेसर, प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग	आमंत्रित सदस्य
6	**श्री योगेश कुमार सिंह**, अतिथि सहायक प्रोफेसर, प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग	आमंत्रित सदस्य

बैठक में निम्नलिखित निर्णय लिए गए -

मद सं. 01 : वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग के अध्ययन मंडल की आठवीं बैठक में लिए गए निर्णय का अवलोकन एवं संपुष्टि।

निर्णय : आठवीं बैठक में लिए गए सभी निणयों का अवलोकन करने के पश्चात कोई टिप्पणी सदस्यों से प्राप्त नहीं हुई तथा निर्णय के क्रियान्वयन के प्रति संतुष्टि व्यक्त करते हुए आठवीं बैठक के निर्णय की संपुष्टि की जाती है।

मद सं. 02 - सत्र 2022-23 में विभाग द्वारा संचालित किए जाने वाले अकादमिक गतिविधियों पर विचार विमर्श कर रूपरेखा तैयार करना।

निर्णय:

1. पिछले वर्ष 2021-22 में कोविड-19 के मद्देनजर अन्य अकादमिक गतिविधियों का संचालन नहीं हो पाया। सत्र- 2022-23 से सभी निर्बंध खुले होने की स्थिति में उद्यमिता विकास तथा व्यवसाय व्यक्तिमत विकास इस विषयों पर कार्यशाला, संगोष्ठी का आयोजन किया जाए।
2. अध्ययन मंडल के नौवीं बैठक में आमंत्रित सदस्यों द्वारा दिए गए सुझाव के आलोक में सत्र-2022-23 में राष्ट्रीय स्तर पर संगोष्ठी का आयोजन किया जाना है।

मद सं. 03 : सत्र 2022-23 से विभाग द्वारा संचालित पीएच.डी. (प्रबंधन) पाठ्यक्रम के लिए कोर्स वर्क का पाठ्यचर्या (Syllabus) का अवलोकन एवं अनुमोदन।

निर्णय: पीएच.डी. (प्रबंधन) पाठ्यक्रम के कोर्स की पाठ्यचर्या (Syllabus) स्वीकृत।

मद सं. 04 : सत्र 2022-23 से संचालित बी.कॉम, एम.कॉम (ऑनर्स) एवं एम.कॉम (शोध सहित) (Research) पाठ्यक्रम (3+1), राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार पाठ्यसंरचना (1-8 सेमेस्टर) का अवलोकन एवं अनुमोदन।

निर्णय: बी.कॉम, एम.कॉम (ऑनर्स) एवं एम.कॉम (शोध सहित) (Research) पाठ्यक्रम (3+1), राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार पाठ्यसंरचना स्वीकृत

मद सं. 05: एम.बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों को परियोजना कार्य रिपोर्ट हेतु मार्गदर्शकों का आवंटन।

निर्णय: निम्नांकित के अनुसार एम.बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों को परियोजना कार्य रिपोर्ट हेतु मार्गदर्शकों का आवंटन अनुमोदित।

अध्यापक का नाम डॉ. रविन्द्र टी. बोरकर, विभागाध्य	**अध्यापक का नाम** सुश्री आरूषी वर्मा, अतिथि सहायक प्रोफेसर	**अध्यापक का नाम** श्री योगेश कुमार सिंह, अतिथि सहायक प्रोफेसर
आवंटित छात्र	**आवंटित छात्र**	**आवंटित छात्र**
1.श्री बेलोरकर निलेश मधुकरराव 2. सुश्री शिवानी हुमने 3. श्री निलेश भीमरावजी मलगाम 4. श्री प्रणव चिजकार 5. श्री गौरव हाडके 6. श्री सागर मानवटकर 7. श्री सुरज बालपांडे	1. सुश्री प्रिती कुलभजे 2. सुश्री सुस्नेहा जगताप 3. श्री राहुल ठाकरे 4. सुश्री रोशनी उदासी 5. श्री रामटेके धनाजी सिद्धार्थ 6. श्री राकेश कुमार यादव	1. श्री संचित येलोरे 2. श्री सुरज कुलखेडे 3. श्री रविन्द्र कुमार निगम 4. श्री शुभम टाके 5. सुश्री पुजा रवि

मद सं. 06 - अध्यक्ष की अनुमति से सदस्यों द्वारा प्राप्त प्रस्ताव पर विचार।

निर्णय: अध्ययन मंडल के सदस्यों ने पीएच.डी. (प्रबंधन) की परीक्षा सत्र-2021-22 प्रश्न-पत्र के संबंध में ध्यान आकर्षित किया की, प्रश्न-पत्र में 50% से ज्यादा प्रश्न हिंदी साहित्य (Hindi Literature) के प्रश्न थे। परंतु प्रबंधन विषय से संबंधित प्रश्नों की संख्या बहुत कम थी। इसलिए उन्होंने सुझाव दिया कि हिंदी साहित्य (Hindi Literature) के स्थान पर हिंदी भाषा के प्रश्न हो, जिसमें 25% हिंदी भाषा, 25% जनरल नॉलेज, एप्टीट्यूड रिजनिंग (General Knowledge Aptitude Reasoning) तथा प्रबंधन विषय के 50% प्रश्न प्रवेश परीक्षा में अपेक्षित है, जिस पर अन्य सदस्यों ने भी अपनी सहमति दी।

अध्यक्ष महोदय के धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक संपन्न हुई।

Yogesh K. Sin 13/04/2022 — श्री योगेश कुमार सिंह, अतिथि सहायक प्रोफेसर (आमंत्रित सदस्य)

Arushi Verma 13/04/2022 — सुश्री आरूषी वर्मा, अतिथि सहायक प्रोफेसर (आमंत्रित सदस्य)

श्री आनंद गौतम रामटेके (सदस्य, भूतपूर्व विद्यार्थी)

डॉ. दीपक वाय चाचरकर (सदस्य, बाह्य विशेषज्ञ)

डॉ. अनंत देशमुख (सदस्य, बाह्य विशेषज्ञ)

Borkar 13/04/2022 — डॉ. रविन्द्र बोरकर, अध्यक्ष, अध्ययन मंडल एवं अध्यक्ष, प्रबंधन एवं वाणिज्य विभाग

टिप्पणी:- अन्य सदस्यों ने ईमेल द्वारा अपनी सहमति/स्वीकृति दी है।